932/922

जनसत्ता

पृ० - 10

12-10-2014

कृषि नीति को अलग नजरिए से देखने की वकालत

कोच्चि, 11 अक्तूबर (भाषा)। कृषि नीति को मूल्य केंद्रित रखने की जगह विकास केंद्रित बनाने पर जोर देते हुए शनिवार को यहां कृषि पर हुए एक सेमिनार में कहा गया है कि यह नीति उत्पादक और उपभोक्ता के कल्याण पर केंद्रित होनी चहिए। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) रमेश चंद ने कहा कि समय आ गया है जब हमें कृषि की ओर भिन्न नजरिए से देखना चाहिए। हमें न केवल उत्पाद को उत्पादक से उपभोक्ताओं तक ले जाना चाहिए बल्कि हमें उत्पादकों और उपभोक्ताओं के कल्याण को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने 'कृषि बाजार.. नए विकास एजंडा का निर्धारण' विषय पर आयोजित एक सेमिनार में यह बात कही। इसका आयोजन फिक्की और सेंटर फॉर पब्लिक पालिसी रिसर्च (सीपीपीआर) द्वारा किया गया जबकि नाबार्ड ने इसका समर्थन किया। चंद ने उन विभिन्न महत्त्वपूर्ण पहलुओं के बारे में भी विवरण रखा जो भारत और विश्व भर में कृषि बाजार को प्रभावित कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कृषि क्षेत्र में विपणन के बदले हुए रुख, न्यूनतम समर्थन मूल्य के निर्धारण में केंद्र राज्य की भूमिका, एपीएमसी कानून और देश की बदली आर्थिक परिस्थितियों में कृषि बाजार में अवसरों के बारे में भी अपनी बात रखी।

सुनीता गुप्ता 13/10/14
प्रभारी पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग

प्रतिलिपि :-

1. निदेशक कार्यालय
2. संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3. अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
4. प्रभारी पी-पी-आई
5. प्रभारी कैट
6. प्रभारी यू-एस-आई